वितरण आदेश क्रमांकः १ कोषागारातून रोख रक्कम देय अनुदान २००९-२०१० पंचायत राज संस्थांच्या बळकटीकरणासाठी केंद्रपुरस्कृत बाराव्या वित्त आयोगाच्या सन २००८-०९ च्या दुस-या हप्त्याच्या प्राप्त अनुदानाचे वितरण.

महाराष्ट्र शासन ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग शासन निर्णय क्रमांकः बाविवि-२००९/प्र.क्र. ९६७ /वित्त-४ मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२, दिनांक : ८ एप्रिल, २००९

- वाचा:- १. शासन निर्णय,क्रमांक बाविआ-२००५/प्रक्र.३९०/वित्त-४, ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२,दिनांक ३ डिसेंबर २००५.
 - २. शासन निर्णय पूरक / शुध्दीपत्रक क्रमांक-बाविआ- २००५/प्र.क्र.३९०/वित्त-४ ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२, दिनांक ५जानेवारी,२००६.
 - ३. शासन पत्र ,क्रमांक बाविआ-२००५/प्रक्र.३९०/वित्त-४, ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग मंत्रालय, दिनांक २० जुलै,२००६
 - ४. शासन निर्णय क्रमांक-बाविआ- २००५/प्र.क्र.३९०/वित्त-४ ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२, दिनांक : ४ मे २००७,
 - ५. शासन निर्णय क्रमांक-बाविवि- २००९/प्र.क्र.९६७/वित्त-४ ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग मंत्रालय, मुंबई-४०० ०३२, दिनांक : ३० मार्च,२००९.

प्रस्तावना :- पंचायत राज संस्थांच्या बळकटीकरणासाठी १२व्या वित्त आयोगाअंतर्गत राज्य शासनास प्राप्त होणारा निधी प्रत्येक वर्षी पंचायत राज संस्थांच्या तीनही स्तरावर उपयोगात आणावयाचा आहे. जिल्हा परिषद, पंचायत समिती व ग्राम पंचायत या तीनही स्तरावर घ्यावयाची कामे आणि विनियोग कशाप्रकारे करावयाचा, याबाबतच्या सूचना संदर्भांकित शासन निर्णयान्वये देण्यात आलेल्या आहेत. सन २००८-०९ साठी केंद्र शासनाकडून दुस-या हप्त्यापोटी रु.१९८.३० कोटी इतका निधी राज्यास प्राप्त झाला असून १ कोटी रुपये पंचायत राज संस्थांच्या विकासाच्या विशिष्ट प्रयोजनासाठी मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिल्हा परिषद, ठाणे यांचे अधिनस्त राखीव ठेवून उर्वरित रु.१९७.३० कोटी अनुदान सर्व पंचायत राज संस्थांना सन २००९-१० या चालू वर्षात वितरीत करावयाचा आहे. त्यानुसार शासनाने खालीलप्रमाणे निर्णय घेतला आहे.

शासन निर्णय:-

या शासन निर्णयान्वये १२ व्या वित्त आयोगाचा सन २००८-०९ या वित्तीय वर्षाचा दुसरा हप्ता रुपये १९७.३० कोटी (रुपये एकशे सत्याण्णव कोटी तीस लक्ष फक्त) इतका निधी सोबतच्या प्रपत्रात दर्शविल्याप्रमाणे सर्व जिल्हा परिषदांना वितरीत करण्यात येत आहे. सदर अनुदान सोबतच्या प्रपत्रामध्ये नमूद केलेल्या जिल्हा परिषदांच्या मुख्य कार्यकारी अधिकारी यांच्या अधिनस्त ठेवण्यात येत आहे. तसेच रु. १ कोटी पंचायत राज संस्थांच्या विकासाच्या विशिष्ट प्रयोजनासाठी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद, ठाणे यांचे अधिनस्त राखून ठेवण्यात येत आहे. या संदर्भात शासनाचे आदेश प्राप्त झाल्यानंतर मुख्य कार्यकारी अधिकारी,जिल्हा परिषद, ठाणे यांनी पृढील कार्यवाही करावी.

२. विवरणपत्रात दर्शविल्याप्रमाणे अनुदानाची रक्कम प्राप्त झाल्यापासून १५ दिवसाचे आत शक्यतो इलेक्ट्रॉनिक क्लिअरन्स सिस्टीम (ECS) व्दारे संबंधित ग्राम पंचायती व पंचायत सिमत्यांच्या खात्यावर वर्ग करावी. तथापि सदर रक्कम खर्च करताना संबंधितांनी निवडणुक आचारसंहितेच्या नियमांचे कसोशीने

<u>पालन करावे व याबाबत काही संभ्रम निर्माण झाल्यास सक्षम प्राधिका-याकडे विचारणा करावी व</u> त्यानुषंगाने पुढील कार्यवाही करावी.

- प्राप्त निधीचा विनियोग निधी वितरीत झाल्यापासून सहा महिन्याच्या आत करावयाचा आहे. निधी विहित वेळेत खर्च करण्याची जबाबदारी संबंधित मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद तसेच संबंधित गट विकास अधिकारी, पंचायत समिती व ग्रामसेवक / ग्राम विकास अधिकारी, ग्रामपंचायत यांची राहील. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद यांनी पंचायत राज संस्थांच्या तीनही स्तरावर झालेल्या खर्चाचा आढावा प्रत्येक महिन्यात घ्यावा. व हा निधी शासनाने मंजूर केलेल्या प्रयोजनासाठी व विहित वेळेत खर्च करावा यादृष्टीने योग्य अशा उपाययोजना कराव्यात. सदरील निधीतून शासनाने यापूर्वीच निर्देशित केल्याप्रमाणे पाणी पुरवठा व स्वच्छता या प्रयोजनार्थ किमान ६०% खर्च करणे बंधनकारक आहे.
- ४. सदर निधी सन २००९-१० च्या अर्थसंकल्पीय तरतूदीतून वितरीत करण्यात येत असून हा निधी खर्च करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे. या निधीतून योजनानिहाय झालेल्या खर्चाची माहिती पुढील प्रत्येक महिन्याच्या १० तारखेपर्यंत शासनास न चुकता सादर करावी. तसेच शासनाने मागणी केल्यावर किंवा प्रत्येक हप्त्याची रक्कम विहित केलेल्या वेळेत खर्च झाल्याबरोबर निधीच्या खर्चाचे उपयोगिता प्रमाणपत्र व आर्थिक/ भातक अहवाल शासनास आणि महालेखापाल कार्यालयास पाठविण्यात यावा.
- पा बाबीवर होणारा खर्च मागणी क्र.एल-३, २५१५ इतर ग्रामीण विकास कार्यक्रम, १०१ पंचायती राज, ३१ सहाय्यक अनुदाने, (०१) (१०) १२ व्या वित्त आयोगाच्या शिफारशीनुसार पंचायत राज संस्थांना विविध योजनांसाठी अनुदाने (योजनेतर) (२५१५०४६५) या लेखाशिर्षाखाली सन २००९-२०१० या आर्थिक वर्षाच्या अर्थसंकल्पीय तरतूदीतून खर्ची टाकावा.
- ६. सदरचा शासन निर्णय, वित्त विभागाच्या अनौपचारिक संदर्भ क्र- १७ /२००९ / विआकक्ष, दिनांक ४ एप्रिल, २००९ नुसार निर्गमित करण्यात येत आहे. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या वेबसाईटवर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संगणक सांकेतांक **२००९०४०९१४०७५३००१** असा आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

(माँ गों. भोंगाडे)

कार्यासन अधिकारी , महाराष्ट्र शासन.

प्रति

महालेखापाल, महाराष्ट्र - १ (लेखापरीक्षा), मुंबई (पाच जादा प्रतीसह)

महालेखापाल, महाराष्ट्र - २ (लेखापरीक्षा), नागपूर (पाच जादा प्रतीसह)

सर्व विभागीय आयुक्त.(महसूल)

मुख्य लेखा परिक्षक , स्थानिक निधी लेखा, कोकण भवन, नवी मुंबई.

सर्व उपमुख्य लेखा परिक्षक, स्थानिक निधी लेखा (वरिष्ठ)

सर्व जिल्हा परिषदांचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी.

सर्व जिल्हा परिषदांचे अध्यक्ष.

ा जिल्हा परिषदांचे मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी,

सव जिल्हा कोषागार अधिकारी

वित्त विभाग (व्यय-१५/अर्थोपाय / वित्त आयोग कक्ष.)

निवड नस्ती का.क्र.वित्त-४, ग्राम विकास व जलसंधारण विभाग, मंत्रालय, मुंबई - ३२

वितरण आदेश क्रमांकः १, शासन निर्णय क्रमांक बाविवि २००९/ प्र.क्र. ९६७ / वित्त-४, दिनांक ८ एप्रिल,२००९ चे सहपत्र.

(रु. हजारात)

| अ.क्र. | जिल्हा परिषदेचे नाव | या शासन निर्णयान्वये वितरीत करण्यात येणारा निधी | | | (11) |
|-------------------|---------------------|--|--------------|--------------|---------|
| | | जिल्हा परिषद | पंचायत समिती | ग्राम पंचायत | एकूण |
| १ | ठाणे | १४०३३ | १४०३३ | २८०६६ | ५६१३२ |
| २ | रायगड | १३२६० | १३२६० | २६५२० | ५३०४० |
| 3 | रत्नागिरी | १३५८० | १३५८० | २७१६० | ५४३२० |
| R | सिंधुदूर्ग | १०१०१ | १०१०१ | २०२०२ | ४०४०४ |
| 4 | नाशिक | 20905 | २०९०८ | ४१८१६ | ८३६३२ |
| Ę | धुळे | १४१४७ | १४१४७ | २८२९४ | ५६५८८ |
| ૭ | नंदूरबार | १२५४५ | १२५४५ | २५०९० | ५०१८० |
| Č | जळगाव | १९८४२ | १९८४२ | ३९६८४ | ७९३६८ |
| १ | अहमदनगर | २२०९३ | २२०९३ | ४४१८६ | ८८३७२ |
| ξο | पुणे | १८०५५ | १८०५५ | ३६११० | ७२२२० |
| ११ | सातारा | १६५३५ | १६५३५ | ०७०६६ | ६६१४० |
| १२ | सांगली | १४८९७ | १४८९७ | २९७९४ | ५९५८८ |
| १३ | सोलापूर | २००२८ | २००२८ | ४००५६ | ८०११२ |
| १४ | कोल्हापूर | १६८९२ | १६८९२ | ३३७८४ | ६७५६८ |
| १५ | औरंगाबाद | १६०५० | १६०५० | ३२१०० | ६४२०० |
| १६ | जालना | १४५६८ | १४५६८ | २९१३६ | ५८२७२ |
| રે ૭ | ं परभणी | १२१४२ | १२१४२ | २४२८४ | ४८५६८ |
| १८ | हिंगोली | १११६० | १११६० | २२३२० | ४४६४० |
| १९ | बीड | १६८२१ | १६८२१ | ३३६४२ | ६७२८४ |
| २० | नांदेड | १८१४८ | १८१४८ | . ३६२९६ | ७२५९२ |
| २१ | उस्मानाबाद | १४००३ | १४००३ | २८००६ | ५६०१२ |
| २२ | लातूर | १४९५१ | १४९५१ | २९९०२ | ५९८०४ |
| २३ | बुलढाणा | १७१०३ | १७१०३ | ३४२०६ | ६८४१२ |
| × | अकोला | ११७८० | ११७८० | २३५६० | ४७१२० |
| . ¹⁸ ₹ | वाशिम | ११६९१ | ११६९१ | २३३८२ | ४६७६४ |
| २६ | अमरावती | १६५४२ | १६५४२ | \$\$0८४ | ६६१६८ |
| રહ | यवतमाळ | १७४४२ | १७४४२ | 88888 | ६९७६८ |
| २८ | वर्धा | १०८७७ | १०८७७ | २१७५४ | ४३५०८ |
| २९ | नागपूर | १२४४० | १२४४० | २४८८० | ४९७६० |
| ३ ० | भंडारा | १०८०२ | १०८०२ | २१६०४ | ४३२०८ |
| ₹\$ | गोंदिया | १२३८० | १२३८० | २४७६० | ४९५२० |
| ३२ | चंद्रपूर | १३९६६ | १३९६६ | २७९३२ | ५५८६४ |
| 33 | गडिचरोली | १३४६८ | १३४६८ | २६९३६ | ५३८७२ |
| | एकूण | ४९३२५० | ४९३२५० | १८६५०० | १९७३००० |
| १ | जि. प. ठाणे | पंचायत राज संस्थांच्या विकासाच्या विशिष्ठ प्रयोजनासाठी | | | 80000 |
| | एकूण | | | | ०००६১११ |

(मा. गो. भोंगाडे) कार्यासन अधिकारी,महाराष्ट्र शासन